भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3001
दिनांक 15 **मार्च**, 2021

तेल के आयात में कमी करना

3001. **श्री गोपाल शेट्टी**:
श्री मोहम्मद फैजल पी.पी.:
श्री बैन्नी बेहनन:
श्री विष्णु दयाल राम:
श्री तेजस्वी सूर्या:
श्री प्रताप सिम्हा:

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान आज की तिथि तक आयात किए गए पेट्रोलियम उत्पादों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है और उक्त आयात पर देश द्वारा कितनी निधि व्यय की गयी है;
(ख) क्या देश कच्चे तेल के आयात के लिए विदेशों पर निर्भर है और यदि हां, तो देश में कुल कच्चे तेल की मांग में से आयात किए गए तेल का वर्तमान प्रतिशत कितना है;
(ग) क्या कोविड-19 महामारी के पश्चात पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू आपूर्ति में कमी का सामना करना पड़ रहा है और यदि हां, तो इसमें अनुमानित कितना सुधार हुआ है और क्या सरकार ने वैश्विक मूल्य में उतार-चढ़ाव के कारण प्रतिकूल प्रभाव से बचने की कोई रणनीति विकसित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) वर्ष 2015-16 की तुलना में वर्ष 2022 तक तेल आयात पर भारत की निर्भरता को 10 प्रतिशत तक कम करने की दिशा में वर्ष 2014 से अब तक की गई प्रगति का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है और वर्ष 2014 से तेल के आयात पर भारत की निर्भरता को कम करने के लिए सरकार द्वारा की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है और इससे तेल के आयात पर निर्भरता कितनी कम हुई है; और
(ड.) क्या सरकार की घरेलू स्तर पर तेल से स्रोत का पता लगाने के लिए एक वैकल्पिक रणनीति बनाने की कोई योजना है और क्या सरकार अधिक घरेलू कच्चे तेल के भंडार का पता लगाने के लिए अनुसंधान और अन्वेषण कर रही है और क्या इसे खोजने में कोई सफलता प्राप्त हुई है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क): पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान आयातित पेट्रोलियम उत्पादों के ब्यौरे (मात्रा तथा मूल्य के रूप में) नीचे दिए गए हैं:

वर्ष	**मात्रा**	**मूल्य**	
	मिलियन टन	**अमरीकी डालर (बिलियन)**	**रुपए (करोड़)**
2017-18	35.5	13.6	88374
2018-19	33.3	16.3	113665
2019-20	43.8	17.7	125742
2020-21 (**अप्रैल-जनवरी**) (**पी**)	35.5	10.8	80719
स्रोत : पेट्रोलियम योजना व विश्लेषण प्रकोष्ठ, (पी) : अनंतिम			

(ख) : पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान कच्चा तेल आयात और संसाधित कच्चे तेल स्वदेशी + आयातित) के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:

विवरण	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21 (**अप्रैल-जनवरी**,) (**पी**)
कच्चे तेल के आयात की मात्रा (ए) (एमएमटी में)	220.4	226.5	227.0	162.8
संसाधित कच्चे तेल की मात्रा आयातित + स्वदेशी (बी) (एमएमटी में)	251.9	257.2	254.4	182.2
संसाधित कच्चे तेल में से आयात किए गए कच्चे तेल की मात्रा {(ए)/(बी)}%	87.5	88.1	89.2	89.4
स्रोत: पेट्रोलियम योजना व विश्लेषण प्रकोष्ठ, (पी): अनंतिम				

(ग): देश में कोविद 19 महामारी के बाद कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की अंतरराष्ट्रीय और घेरलू आपूर्ति का कोई संकट नहीं था। कच्चे तेल आपूर्ति के स्रोतों के विविधीकरण तथा द्विपक्षीय और क्षेत्रीय दोनों स्तरों पर काम करने के सतत प्रयासों के चलते, भारतीय रिफाइनरियों को कच्चे तेल की समयबद्ध और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने में भारत सरकार सफल रही है। इसके अलावा, तेल कंम नियों ने दीर्घावधि संविदाओं के माध्यम से कच्चे तेल के नए स्रोतों से तेल आपूर्तियों के विवीधीकरण पर सक्रिय रूप से काम किया है। वैश्विक स्तर पर मूल्यों में उतार-चढ़ाव के कारण होने वाले जोखिमों से बचने के लिए, रिफाइनरियों ने सतत प्रचालन हेतु कच्चे तेल की उपलब्धता और स्टॉक होल्डिंग के जोखिम के बीच तालमेल बनाए रखने के लिए इष्टतम स्टॉक स्तरों को बनाए रखा है।

(घ) और (ड.): सरकार ने वर्ष 2014 से, उत्पादन हिस्सेदारी संविदा (पीएससी) व्यवस्था, खोजी गई लघु क्षेत्र नीति, हाईड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति, नेशनल डाटा रिपोजिटरी की स्थापना, आदि द्वारा रिफाइनरी प्रक्रम सुधारों तथा विभिन्न नीतियों के माध्यम से वर्ष 2022 तक देश की तेल आयात निर्भरता को 10 प्रतिशत तक कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। सरकार ने राष्ट्रीय तेल कंम नियों को कार्य करने की आजादी दी है तथा इलैक्ट्रानिक एकल विंडो व्यवस्था के साथ अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाकर निजी क्षेत्र को व्यापक भागीदारी उपलब्ध कराई है।

सरकार ने राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति, 2018 की शुरूआत की है ताकि देश में जैव ईंधनों की उपलब्धता बढ़ाई जा सके और क्रमश: एथेनॉल मिश्रण, जैव-डीजल तथा किफायती परिवहन के लिए दीर्घकालिक विकल्प (सतत) पहल के माध्यम से एथेनॉल, जैव-डीजल तथा जैव सीएनजी जैसे वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग की शुरूआत हो सके।

****